हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 22 सितंबर 2025

11 भगवान राम के जन्म पर जयकारों से गूंज उठा...

12 बाजरे की सरकारी खरीद में बन रही असमंजस...

दीन दयाल जन आवास योजना

DEEN DAYAL AWAS YOJNA
(Under Affordable Plotted Housing Policy 2016, Govt. of Haryana)

2/3 BHK LUXURY FLOORS
IN RERA APPROVED TOWNSHIP

GURGAON MOST PROMISING ADDRESS SECTOR-35, SOUTH OF GURUGRAM

33% RESERVED FOR WOMEN & GOVT. EMPLOYEES

Pay ₹31,000 for Registration
Amount is Fully Refundable to unsuccessfull applicants

26th SEPTEMBER IS THE LAST DAY OF REGISTRATION

Unit Allocation Date 2nd October 2025 (Thursday)

PAYMENT PLAN

Type	Area in (Sq. Ft.)	Area in (Sq. mtr.)	Registration Amount	Payment Within 5 Days	Payment Within 15 Days	10% Within 30 Days	20% Within a Month	60% On Possession	Total Basic Cost
3BHK+3T	1503	139.63	₹ 31,000	₹ 5,00,000	₹ 12,69,000	₹ 18,00,000	₹ 36,00,000	₹ 1,08,00,000	₹ 1,80,00,000
3BHK+2T	1215	112.87	₹ 31,000	₹ 5,00,000	₹ 9,19,000	₹ 14,50,000	₹ 29,00,000	₹ 87,00,000	₹ 1,45,00,000

Any other charges levied by the Govt. & GST as applicable*

ATS to be executed after completion of 30% of payment

Most Trusted · Quality Construction · Timely Possession · Excellent Customer Service · Great Partnerships · Reputed · Transparent

ADVANTAGES
- Bang on Gurgaon - Sohna Expressway
- In Close Vicinity of 15000+ upcoming residential Units
- Close to Educational Hub and Schools like GD Goenka World School, K.R. Manglam, SCJ Academy etc.
- 30 Mins Drive from IGI Airport
- 20 Mins Drive from Cyber City
- 7 Mins Drive from Proposed Metro Rail Corridor
- 15 Mins Drive from Rajiv Chowk

SPECIFICATIONS
- Modular Kitchen - Chimney - HOB
- 1 Room Fully Furnished for Kids - AC in All Rooms
- Geyser (All Washrooms & Kitchen)
- Wardrobes in All Rooms
- Wooden Flooring in Master Bedroom
- False Ceiling in All Rooms
- 1 Year Maintenance Included

AMENITIES

Basketball Court

Yoga Lawn

kids Play Area

Badminton Court

Outdoor Gym

Club House

For Online Registration
www.haryanadeendayalawasyojna.com
Call: +91-92112-82697

Scan QR Code with Google lens For Online Registration

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाज़िमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं। - **हरिशंकर परसाई**

चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता।

कहानी

ललिता विम्मी

अनछुए अहसास

उन दिनों चिठ्ठी पत्री का ही ज़माना था, या फिर टेलीग्राम जिसे आम भाषा में लोग तार कहते थे, वो भी बहुत गम या बहुत खुशी के मौके पर। खुशी के वक्त तो तार बहुत ही कम या एकाध ही आता था। जब भी जिसके घर डाकिया तार लेकर आता था, उसके तो पैरों तले की जमीन ही खिसक जाती थी, और आसपास के लोग भी घबरा जाते थे। वो जमाना ही और था, बहुत स्नेह था लोगों में, एक दूसरे के लिए भावनाएं थी लोगों के दिल में। एक दूसरे के दुख- सुख में दिली तौर पर शरीक होते थे, न कि सिर्फ हाज़री भर जताने के लिए। शादी ब्याह से महीना भर पहले ही पड़ोसी भी तैयारी करवाने में जुट जाते थे। चार-पाँच दिन तक तक सब मिलकर अनाज व दालों की सफाई करते। फिर उस घर की लिपाई-पुताई मरम्मत में भी मदद करवाते, कोई अपने पराये जैसी बात नहीं थी। काम करते हुए सब मंगल गीत गाते, कोई ऐसे नहीं कहता कि उनके घर में शादी है, ऐसे बोला जाता कि हमारी गली में शादी है, फलां के बेटे की या बेटी की।

इन सब कामों के साथ-साथ एक मुख्य काम होता था चिट्ठी लिखना और न्यौता भेजना, न्यौता तो शादी से दो या तीन दिन पहले ही दिया जाता था हाँ, चिठ्ठी जरूर महीना पहले लिखनी होती थी। जो बंदा चिठ्ठी लिखता था वो बहुत ही जिम्मेदार होता, उसी के पास ब्योरा रहता था कि किस-किस को खत भेजना है और किस-किस को भेजा गया है। शादी वाले घर का मुखिया उसे अपने मेहमानों के पते वगैरह सौंप देता था। कितना अपना सा था न वो ज़माना। इस अपने से प्यारे से वक्त में सब की अपनी, सब की प्यारी थी, वृन्दा। सब उसे वंदू कहते थे। छठी में पढ़ने वाली वंदू की लिखाई ऐसी थी जैसे किसी ने कागज़ पर मोती उड़ेल दिए हो। लोग उसे अपनी भाषा में मज़मून समझा देते थे खत को भाषा और शब्द देने का काम वन्दु का होता था।

कभी भी किसी के काम को न कहना वंदू ने सीखा ही नहीं था। सब की राजदार थी वो। बिमला चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिठ्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता। भरथो दादी अपने पीहर रामरमी की चिठ्ठी जरूर लिखवाती, हर महीने और उन की चिठ्ठी का जवाब भी आता। लिखना और पढ़ना सभी काम वंदू के ही थे। ऐसा नहीं था कि पूरी गली में सिर्फ वही पढ़ना-लिखना जानती थी, और भी बहुत लोग थे। लड़के लड़कियाँ जो उससे बड़ी कक्षाओं में भी थे, पर पता नहीं क्यों तमाम गली की ख़त-ओ-किताबत वंदू ही के हिस्से थी। कभी कभी तो उसके स्कूल से आते ही रास्ते मे ही बिमला चाची धीरे से बुलाती, 'आजा छोरी कब की बाट देख रही हूँ थारी'। 'चाची बस रोटी खा ल्यूं, बहुत भूख लग रही है'। 'चाची के घर रोटी ना है के छोरी', स्नेहिल डांट के साथ चाची मक्खन रोटी और चटनी खिलाती। रामेश्वर चाचा तो शाम को ही आते थे। 'वंदू चाल बेटी तेरी चाची बुला रही है'। चाचा ,'माँ चाय बना रही है, चाय पी के आऊँगी, सुनो चाचा आप भी पी लो, मेरी माँ चाय बहुत अच्छी बनाती है'। 'चल बेटी , तेरी चाची से मलाई वाली चाय बनवाते हैं, तेरे सहारे मुझे भी मिल जायेगी'। स्कूल के काम करने का समय लोगों के खत लिखने और पढ़ने में बीत जाता था। रात को बिजली नहीं होती थी, बहुत बहुत देर में आती थी। दीये की रोशनी में काम करती तो माँ चिल्लाती, 'अंधी हो जाओगी अंधी, रात रात भर दीया जला कर इन किताबों में सिर खपाओगी तो, दिन में लोगों की सेवा में लगी रहेगी, जैसे इस के सिवा किसी को लिखना पढ़ना आता ही नहीं'। 'मत चिल्लाया कर वंदू की माँ, छोरी अच्छा ही कर रही, कुछ बुरा न कर रही। देख कितनी पूछ है तेरी छोरी की गली में, सारा दिन वंदू वंदू हुई रहवे सै'। बाबा उसे को पुचकार देते।

> रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली , जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ–बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

यूं ही खत लिखती और पढ़ती वंदू बहुत अच्छे नम्बरों से बारहवीं ज़मात पास कर गई। पड़ोस की बीना मौसी कम उम्र में ही विधवा हो गई थी। उन्होंने अपने भाई के बेटे को गोद ले रखा था। लड़का दो साल पहले ही फौज में भर्ती हो गया था। बीना मौसी भी सारी चिठियाँ वंदू से ही लिखवाती थी। वंदू एक चीज हमेशा नोट करती कि बीना मौसी का बेटा हर खत के अंत में छोटा सा दिल का निशान बना देता है पर उसे तो इन सब से कोई मतलब ही नहीं था। एक बार वो अपनी छत पर कपड़े सूखा रही थी कि बीना मौसी भागती हुई आई, वंदू 'जरा चिठ्ठी पढ़ कर बता तो म्हारे राजेश्वर की लागै है, और कौन चिठ्ठी भेजेगा हमनै,आईए बेटी जरा जल्दी आईए।' 'मौसी आ रही हूँ'। वंदू ने जैसे ही वो पीला लिफाफा खोला, उसमें दिल का निशान बनी एक गुलाबी परची भी थी जिस पर लिखा था। सिर्फ वंदू के लिए, 'मेरे लिए।' ' क्या तेरे लिए छोरी'। 'कुछ नहीं मौसी, मैं तो चिठ्ठी खोल रही थी, इसी पर शायद कुछ लिखा है'। 'अच्छा छोरी पढ़ जल्दी पढ़'। वंदू ने गुलाबी परची अपने आँचल में छिपा ली थी। मौसी को पता भी नहीं चला था। 'कल लिफाफा लेकर आऊँगी, कल जवाब भी लिख देना'।

'जी मौसी'। रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली थी। जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ-बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

वंदू का चेहरा लाल हो गया था। उसे बहुत शर्म आ रही थी, झट से चादर खींचकर चेहरा ढक लिया था। मौसी अगले दिन लिफाफा लेकर आ गई थी, खत लिखवाने के लिए। वंदू ने भी खत पर एक दिल का निशान बना दिया। पन्द्रह दिन बीत गए थे, कोई जवाब नहीं आया था। मौसी से भी नहीं पूछ सकती थी, गर कोई खत आता तो मौसी सीधे उसी के पास आती पहले। आज सोच रही थी कि मौसी के पास जाऊंगी, शायद कुछ पता चले। तभी मां किसी औरत को ये कहती सुनी, बहुत ही बुरा हुआ, सारी उम्र बिता दी बेचारी ने वैराग्य में और अब इस उम्र में इतना बड़ा दुख। 'दुख-सुख की खबर तो लोगों को वंदू से मिलती है, ये कौनसा और किसके दुख का जिक्र कर रही हैं माँ' वंदू मन ही मन बड़बड़ाई। 'क्या हुआ मां'। 'अरी वो तेरी बीना मौसी का छोरा नहीं था वो फौजी, जिस खातर चिठ्ठी लिखवान आया करती वो' 'हां, हां, अभी तो उनकी चिठ्ठी का कोई जवाब ही नहीं आया', मां की बात बीच में ही काट ,वो जल्दी-जल्दी बोल गई थी।

'कैसा जवाब छोरी, वो बेचारा तै बार्डर पे दुश्मन संग लड़ते हुए राम ने प्यारा हो गया'। 'पर मां'! माँ ने शायद उसकी बात सुनी ही नहीं थी, वो तो उस पड़ोसन के साथ बातों में व्यस्त थी। वंदू भागकर कमरे में आ गई थी, उसनें किताब से वो गुलाबी पर्ची निकाल ली, उसके ऊपर बने दिल के निशान पर उसके आंसू बह निकले। 'तुम ने तो मेरा जवाब भी नहीं पढ़ा और वादा खिलाफी भी कर दी। ऐसा क्यों किया तुमने बोलो ना'। आंसुओं से दिल पर लगी स्याही फैल गई थी, रंग भी हल्का पढ़ गया था। मामाजी की एक पहचान के बंदे ने एक सरकारी नौकरी वाला रिश्ता बताया था। मां-बाबा ने भी तुरंत हां कर दी थी।

वंदू भी उस धुंधले दिल को अपने साथ समेटे ससुराल आ गई थी। सब बहुत अच्छा था यहां, पर कभी-कभी वो चुपके से उस धुंधले से दिल में भी झांक लेती । मां-बाबा के पास जब भी जाती, मौसी से जरूर मिलती, मौसी खूब रोती, मौसी को धीरज देते-देते वो भी अपने आंसुओं को बह जाने देती। वक्त कभी रुका है क्या, कभी नहीं, एक ज़माना बीत गया है। आंसुओं से भीगे दिल की स्याही वक्त की गर्द से और भी धुंधला गई है। अब चिठ्ठी पत्री सब खत्म हो गई हैं। अब तो वाट्सएप और मैसेंजर का वक्त है। आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी।

'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था।

'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए'।

'आप भी बच्चों की बातों से बच्चे ही बन गए, मैं आपके लिए चाय लेकर आती हूँ।' चाय बनाते समय उसने भरे मन से कुछ सोच लिया था। सुबह पितृपक्ष का आखिरी श्राद्ध है, कहते हैं इस दिन सभी भूले बिसरों का श्राद्ध होता है।

पचास साल की हो गई हूँ, जीवन का क्या भरोसा। ये काम भी कर देना चाहिए। सुबह जल्द उठकर अपनी पारिवारिक रस्मों को निभाया, और फिर एक छोटा सा पर्स अपने बड़े बैग में रखा और मंदिर चली गई। उस वक्त मंदिर में कोई भी नहीं था। वृन्दा ने छोटे से पर्स में से गुलाबी रंग की परची बाहर निकाली। आखरी बार पढ़ा और हाथ जोड़ दिए। 'राजेश्वर मैं तुम्हें और खुद को इन अनछुए अहसासों से मुक्त करती हूँ, तुम जहाँ भी हो खुश रहो' और उसने उस दिल की धुंधली स्याही को शिवजी के चरणों के जल से बिल्कुल साफ कर दिया और अपने आंसुओं की नमी से उसका तर्पण भी कर दिया।

> *आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी। 'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था। 'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए।*

कविता

मनोज कुमार

मेरी बेटी

मेरी बेटीआज एक बेटी की बाबुल के घर से सदा के लिए विदाई हो रही थी,
उसके अपने घर की दहलीज पराई हो रही थी,

हर किसी आंख से बह रही थी आंसू की धार,
माँ छुपा आंसुओं को कर रही थी बेटी का लाड़ दुलार,

इतने नाज लाड़ से पाली उस कोख की जाई को,
आज सदा के लिए हो जाएगी पराई जैसे चुकाई हो कोई उधार,

बाप की आंखों से भी आंसू रुक नहीं पाए,
बेटी को देते आशीष नीर बेहताशा आंखों से निकल आए,

खुशी के पल के बाद हो गया गमगीन सारा कुनबा परिवार,
छोटे भाई, बहन और सखियां भी रो–रो के दे रहे थे उसे विदाई,
उसे लड़की के मन में उठी टीस की वो हो गई आज पराई,

बचपन में खेलती थी भाई बहनों के साथ करती मां लाड़–दुलार,
सखियां भी आती गुड़िया खेलने जब होता छुट्टी वाला रविवार,

आज उसकी विदाई से रो रहे थे घर की खिड़कियां और मुख्यद्वार,
सर्दियों में पढ़ने के लिए उन खिड़कियों में रखती किताबें और लगाती कापियों की कतार,

गाड़ी आई और बिठा दिया बेटी को चल पड़ी गाड़ी जो खड़ी थी सज-धज कर तैयार,
चल पड़ी बेटी अपने जीवन के नए अध्याय को शुरू करने,

मां बाप ने पोंछा आंसुओं को क्योंकि अब बारी-बारी मेहमानों की भी विदाई हो रही थी,
आज एक लड़की के घर की दहलीज हमेशा के लिए पराई हो रही थी।

कविता

शिव 'बलाहा'

तुम

तुम
इसलिए तुम हो
कि लड़कर, टूटकर
फिर तत्पर हो
लड़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि गिरकर, संभलकर
फिर खड़ी हो
चढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि मचलकर नीड़ से
फिर चहकी हो
बढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि होड़ में, दौड़ में
मुक़ाबिल हो
अड़ने को।

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

कविताएं लिखते रहे

कविताएं लिखते रहे पर गाया नहीं,
गीत गाने का सलीका आया नहीं।

हम उलझ कर रह गए किताबों
में,उनको पढ़ने का समय पाया नहीं।

जल उठी हैं धमनियां संचार करते,
खून का रिश्ता सही निभाया नहीं।

कुछ लिखी ग़ज़लें रूबाई और नज़्म,
शब्द ने शब्दों को घर बुलाया नहीं।

भेद का मंथन किया तो भटके फिरे,
आदमी ने अपना रूप घटाया नहीं।

अभिमान के पर्चे चिपक कर रह गए,
मन से घृणा का कचरा हटाया नहीं।

बच्चे बूढ़े रोगी को खुशियां परोसे,
इंसान ने यह भार क्यों उठाया नहीं।

लिख दिया मधुर अंधेरा दूर होगा,
प्यार का दीपक कोई जलाया नहीं।

नौरंगीलाल अपनी पार्टी में

व्यंग्य

डॉ. मधुकांत

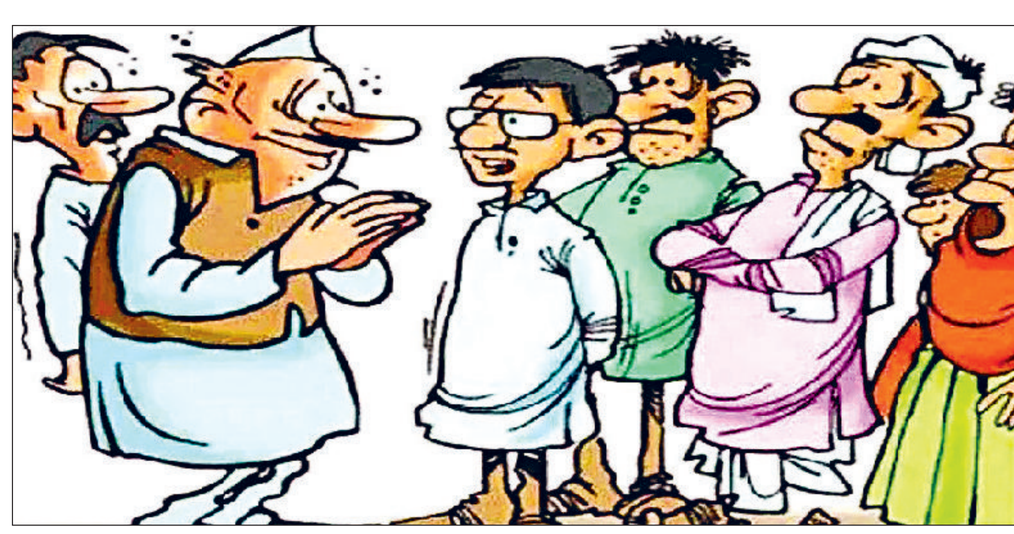

जब वह पहली बार इस स्कूल में आया था तब उसका नाम सम्मान के साथ मास्टर नौरंगीलाल जी संबोधित किया जाता था। कुछ दिनों बाद सब उनको स्कूल में मास्टर नौरंगी कहने लगे। सेवानिवृत्ति के बाद तो वह मात्र नौरंगी ही रह गया।

उस दिन भोजन के बाद वह अपने बिस्तर पर जा रहा था कि अचानक फोन की घंटी बजी। बिना नाम के फोन को वह कम ही उठतो हैं परंतु जब दूसरी बार घंटी बजी तो उन्होंने फोन उठा लिया, 'हेलो ?" "जी, मैं आपका शिष्य रमेश बोल रहा हूं। आप तो मुझे भूल ही गए होंगे परंतु "कहिए, क्या काम है.. ? नौरंगीलाल ने बीच में बात को काट दिया। "सर, कल हम आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं।" "किस बात के लिए-" नौरंगी आश्चर्य से भर गए। "सर, आप इतने श्रेष्ठ अध्यापक रहे हैं। पूरे कस्बे में आपकी प्रतिष्ठा है। इसलिए हम पांचों मित्र सुबह 10:00 बजे आपके घर आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं"- कहते-कहते उसने फोन काट दिया।

नौरंगी भौचक्के से रह गए। यह कैसा सम्मान है? मेरा सम्मान और वह भी मेरे ही घर में, कल 10:00 बजे.. सोचकर बिस्तर पर जाने की बजाय वे वापस बैठक में आ गए। सब सामान को व्यवस्थित करने लगे। देर होने लगी तो कुछ काम सुबह के लिए छोड़कर वापस बिस्तर पर आ गए। सोने का उपक्रम करने लगे परंतु दिमाग उधेड़बुन में ही उलझा रहा। सुबह-सवेरे आंख जल्दी खुल गई। बैठक की साफ-सफाई करते, स्नान ध्यान करते, बाजार से दूध नाश्ते का सामान लाते 9:30 बज गए। आज उन्होंने पहले से अधिक उजला व प्रेस किया हुआ कुर्ता पहना था।

> **सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया। पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया।**

उन पांचों ने बैठक में प्रवेश किया तो नारंगी लाल ने देखा कि वह उनसे भी अधिक उजले और खदर के कुर्ते पहने हुए थे। पांचों ने अपना परिचय दिया और स्कूल से जुड़ी यादों को ताजा करते रहे। इस बीच चाय भी पी ली गई। चुनाव के दिन थे, चर्चा के बीच रमेश ने पार्टी नंबर एक की प्रशंसा करनी चाही परंतु नौरंगी की उपेक्षा को देखकर उन्होंने विषय बदल दिया। नौरंगीलाल ने अनुमान लगा लिया था कि रमेश के हाथ में जो थैला है संभव है उसी में सम्मान करने का सामान होगा। गली के बाहर चहल-पहल, माइक की आवाज बढ़ रही थी, तभी उन पांचों ने खड़े होकर गुरु नौरंगी लाल को भी अपने साथ खड़ा कर लिया। बारी-बारी शाल पहनाकर, फटका पहनाकर, माला पहनाकर और श्रीफल देकर वे सम्मानित करने लगे, तभी चुनावी पार्टी नंबर एक का जुलूस उनके घर में घुस आया और उनके गले में अपनी पार्टी का उत्तरीय पहनाकर, पार्टी के झंडे लगाकर, मास्टर नौरंगी लाल का अभिनंदन कर दिया। दो मिनट में ही सब गले मिलते, मिठाई खिलाते, ढोल नगाड़ों के साथ बाहर निकल गए।

नौरंगी हतप्रभ था कि यह शिष्यों द्वारा गुरु का कैसा अभिनंदन है और जाते-जाते एक पार्टी कार्यकर्ता की घोषणा- 'लो जी, आज से मास्टर नौरंगीलाल जी ने भी हमारी पार्टी ज्वाइन कर ली। अब तो हमारी जीत पक्की समझो।' नारंगीलाल तभी समझ गया कि उसके साथ राजनीतिक षड्यंत्र हुआ है। कभी द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा में शिष्य से उसका अंगूठा मांगा था और आज इस कलयुग में शिष्य हमसे कैसी शिष्य दक्षिणा मांगकर ले गया। दोपहर होते-होते दूरदर्शन पर, संध्या समाचार पत्र में, वीडियो, फेसबुक, व्हाट्सएप पर वायरल हो गया कि मास्टर नौरंगीलाल ने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है। नौरंगीलाल के पास फोन पर फोन आने लगे। वह किस-किस को समझता कि मेरे साथ धोखा हुआ है।

पार्टी नंबर दो वाले बीवी के मायके वालों की रिश्तेदारी में थे। बीवी के पास उनका भी फोन आया। लाल-पीली होकर बीवी नौरंगी के सामने डटकर खड़ी हो गई। "आपने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है।"

"अरे नहीं भाग्यवान, उन्होंने मेरे साथ धोखा किया । झूठा बहाना बनाकर, मेरे गले में अपनी पार्टी की नकेल डालकर चले गए।"

"तो मीडिया को सच बता दो कि मुझे धोखा दिया गया है।" ये संवाद चल ही रहे थे कि देखते-देखते पार्टी नंबर दो के कार्यकर्ताओं का झुंड उनके घर में आ घुसा । मुझे पार्टी नंबर दो का फटका पहन कर बीवी के नेतृत्व में मुझसे बुलवाया गया- "पार्टी नंबर एक वालों ने मेरे साथ षड्यंत्र करके अपनी पार्टी में सम्मिलित किया है। सच में पार्टी नंबर दो को ही मैं अपनी पार्टी मानता हूं।" सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज़ बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया।

पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया। रातभर प्रेस में नौरंगी लाल के गुम होने का समाचार घूमता रहा। पार्टी नंबर एक अब पार्टी नंबर दो पर और पार्टी नंबर दो पार्टी नंबर एक पर नौरंगीलाल को किडनैप करने का दोष लगा रहे थे। केवल शक ही नहीं, दोनों पार्टियों ने मास्टर नौरंगीलाल की थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवा दी।

सशक्त लेखन की बानगी है 'पतरस के मजामीन'

पुस्तक : पतरस के मज़ामीन
लेखक : अहमद शाह बुख़ारी
प्रकाशक : सेठी परिवार की ओर से

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

आ पतरस के नाम से विख्यात अहमद शाह बुख़ारी उर्दू व्यंग्य के बेहद मकबूल रचनाकार हैं। एस.के.सेठी और रमणीक मोहन ने उनकी 1927 में पहली बार प्रकाशित हुई किताब को हिन्दी के पाठकों तक पहुंचाने का बहुत सराहनीय काम किया है। 'पतरस के मज़ामीन' में संकलित 11 व्यंग्य उनके सशक्त लेखन की शानदार बानगी हैं। इनमें होस्टल में पडऩा, सवेरे जो कल आँख मेरी खुली, कुत्ते, उर्दू की आख़िरी किताब, मैं एक मियाँ हूँ, मुरीदपुर का पीर, अंजाम बख़ैर, सिनेमा का इश्क, मेबेल और मैं, मरहूम की याद में, लाहौर का जुग्राफिया शामिल हैं।यह किताब उर्दू हास्य- व्यंग्य के इतिहास में मील का पत्थर मानी गई है। उर्दू की किताब को हिन्दी पाठकों तक ले जाने के लिए रमणीक मोहन और एसके सेठी ने किताब का अनुवाद नहीं किया, बल्कि लिप्यंतरण का जटिल व महत्वपूर्ण काम किया है। लिप्यंतरण के साथ ही उर्दू के कठिन अल्फाजों के साथ ही कोष्ठक में हिन्दी अर्थ भी लिख दिए हैं। इससे लिप्यंतरणकारों ने एक तरह से उर्दू के लेखन को उसके मूलरूप में हिन्दी पाठकों तक पहुंचाया है। यह हिन्दी और उर्दू को नजदीक लाने के जरिये भाषिक व साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने का भी कार्य है। पता चलता है कि लिप्यंतरणकारों को दोनों भाषाओं व फारसी-नस्तालिक तथा देवनागरी का अच्छा ज्ञान है। पतरस के हास्य-व्यंग्यों की बात करें तो यह विश्व साहित्य में कमाल का लेखन है। बहुत ही सहजता के साथ पतरस अपने विषय को कथात्मक शैली में आगे बढ़ाते हैं और व्यंग्य का पूरा एक माहौल सृजित करते हैं। इसमें पाठक हंसी के फव्वारों में नहाता जाता है। वे साधारण जीवन दृश्यों को बेहद चतुराई से हास्य में तब्दील करने के माहिर हैं। किताब का पहला व्यंग्य- 'होस्टल में पडऩा' विद्यार्थी की लाहौर के कॉलेज में पढ़ते हुए होस्टल में रहने की इच्छाओं पर केन्द्रित है। उनका निबंध 'कुत्ते' में कुत्तों का जो विवरण उन्होंने दिया है, वह पाठकों को अपने अनुभवों से जोड़ते हुए हास्य का सृजन करता है। 'मुरीदपुर का पीर' में एक लेखक व वक्ता के महिमामंडन और उसके वक्तव्य की हास्यास्पद परिणति को अद्भुत ढ़ंग से चित्रित करता है। पतरस के व्यंग्य सीधे तौर पर प्रहार करने की बजाय संवेदनशील ढ़ंग से हल्का-फुल्का हास्य पैदा करते हैं। उनके लेख सिर्फ़ हास्य-उत्पन्न करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि उनमें पाठक अचानक उस हास्य के पीछे छिपी गंभीर वास्तविकता को भी महसूस करता है। यही उनकी लेखनी की वास्तविक ताकत है।

खबर संक्षेप

राजा बलि व भगत प्रहलाद की कथा का वर्णन

महेंद्रगढ़। रेलवे रोड स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में सराबोर होकर अमृतमयी कथा का श्रवण किया। कथा से पूर्व रूपेश कुमार गर्ग ने पत्नी सुमन गर्ग सहित विधिवत पूजा-अर्चना की और कथा का शुभारंभ किया। कथा व्यास श्याम देव महाराज एवं आचार्य पंडित श्रीकांत लिटौरिया ने संगीतमय शैली में कथा का बहुत ही भावपूर्ण एवं सुंदर वर्णन कि। कथा प्रसंग में राजा बलि की भक्ति पूर्ण कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया। कथा व्यास श्याम देव महाराज ने बताया कि किस प्रकार राजा बलि ने अपने वचन की रक्षा के लिए सब कुछ भगवान को समर्पित कर दिया और सच्ची भक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया।

रोजगार सहायता शिविर व प्लेसमेंट ड्राइव आज

नारनौल। जिला रोजगार कार्यालय की ओर से 22 सितंबर को राजकीय आईटीआई (ब्वायज) में रोजगार सहायता शिविर व प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से दो अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पर्व के तहत युवा अधिकारिकता एवं उद्यमिता विभाग के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम में रोजगार विभाग की विभिन्न योजना जैसे सक्षम युवा योजना, सामान्य बेरोजगारी भत्ता योजना बारे पंजीकरण व मार्गदर्शन दिया जाएगा।

पुलिस ने 150 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में 'सेवा पखवाड़ा' के तहत जिला पुलिस द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। यह आयोजन फायरिंग रेंज रघुनाथपुरा पर किया गया, जहां पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर करीब 150 फलदार और छायादार पौधे लगाए। इस मौके पर एसपी पूजा वशिष्ठ ने पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़-पौधों और जल संरक्षण का महत्व समझाया।

स्व. उमराव सिंह को किया नमन

नारनौल। समाजसेवी व वैदिक पथ प्रेरक स्वर्गीय उमराव सिंह धनखड़ की पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव छितरौली में हवन-यज्ञ, जागरण व भंडारा आयोजित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं तथा ग्रामीणों ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर ठाकुर अतरलाल एडवोकेट, सरपंच प्रतिनिधि बलवान आर्य, सरपंच प्रतिनिधि झाड़ली सुरेश कुमार, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश धनखड़, जयवीर सिंह, पूर्व सरपंच चंदूलाल, मास्टर रघुबीर सिंह, रामफल, लख्मीचंद सेठ व ओमप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

रामलीला के मंच पर प्रभु श्रीराम ने लिया अवतार

भगवान राम के जन्म पर जयकारों से गूंज उठा पंडाल

राजा दशरथ के पुत्र नहीं होते थे, तब श्रृंगी ऋषि ने उन्हें एक फल दिया तथा सभी रानियों को खिलाने का आग्रह किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्थानीय अनाज मंडी स्थित श्री कृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब के रंग मंच पर भगवान नारायण सेवा संस्था की ओर से चल रही भगवान रामलीला के मंचन के दूसरे दिन भगवान राम का जन्म, विराट रूप ताड़का वध का मंचन किया गया। मंच संचालक भारत भूषण तायल ने किया। रामलीला का शुभारंभ मोहनलाल भोजावासिया ने किया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि श्री राम जन्म की लीला के मंचन देख दर्शक हुए भाव-विभोर हुए। राजा दशरथ के पुत्र नहीं होते थे, तब श्रृंगी ऋषि ने उन्हें एक फल दिया तथा सभी रानियों को खिलाने का आग्रह किया।

फल के सेवन के बाद रानी कौशिल्या ने श्रीराम, रानी सुमित्रा ने लक्ष्मण व शत्रुघ्न, रानी कैकेई ने भरत को जन्म दिया। इसे जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसके बाद राजा दशरथ के पास विश्वामित्र जाते हैं। विश्वामित्र कहते हैं कि मुझे राम लक्ष्मण की जरूरत है क्योंकि सुबहु और मारीच को वही मार सकते हैं। पिता होने के कारण दशरथ राम जी को भेजने से मना कर देते हैं वार्तालाप होने के बाद दशरथ राम लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं तथा राम लक्ष्मण वन में ताड़का राक्षसी को मार देते हैं।

प्रभारी दयानंद सैनी मंत्री ने बताया कि राम का किरदार ध्रुव वर्मा, लक्ष्मण का किरदार कनिष्क कोहली, दशरथ डॉ. ओमप्रकाश, विश्वामित्र को मनोज निर्मल, कौशल्या का सतीश बेदी, विष्णु भगवान का रामकिशोर अग्रवाल, तड़का का इंद्रजीत सैनी, भरत का हिमांशु निर्मल, शत्रुघ्न का युवी अग्रवाल वशिष्ठ व योगेश कौशिक, श्रृंगी ऋषि का जगदीश बिल्ला तथा रमेश पंडित व विवेक शर्मा ने दरबान अभिनय किया। इस मौके पर रामलीला कमेटी कोषाध्यक्ष विजय जैन, मोनू भाटा, अनूप भाटा, आयुष शर्मा, रोनी बाजवा, जोगेंद्र शर्मा, नरेश तायल, अरविंद सैनी, सोनू शर्मा, वासुदेव सिंघल, होशियार, संजय गोयल, गौरव गोयल, शुभम सोनी, संजय वर्मा, दया डुलगज व विष्णु डेनवाल आदि मौजूद थे।

नारनौल। रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

शिव तलहटी व रावण वेदवती प्रकरण का हुआ मंचन

श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट चांदुवाड़ा अपने 75वें रामलीला मंचन को हीरक जयंती के रूप में धूमधाम से मना रहा है। रामलीला के पहले दिन शनिवार को मुख्य अतिथि आशीष सिंघल ने रिबन काटकर गणेश वंदना के साथ रामलीला का शुभारंभ किया। वहीं अध्यक्षता उमराव सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वासुदेव यादव, कृष्ण आर्य व स्वर्णकार समाज के पूर्व प्रधान हरिराम सोनी मौजूद रहे। ट्रस्ट प्रधान संजय गर्ग, सचिव दीपक हरित, कोषाध्यक्ष जगदीश भारद्वाज, अनूप गोयल, बलवान सैनी, डॉ मनोज वर्मा, रामलीला प्रधान नरेंद्र जैन ने मेहमानों को पटका माला पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंटकर उन्हें सम्मानित किया।

गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुई रामलीला में शनिवार को शिव तलहटी, रावण वेदवती संवाद, श्रवण कुमार की लीला का मनमोहक मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। रामलीला ट्रस्ट के संरक्षक शंभुदयाल गर्ग ने बताया कि प्रथम दिन की लीला में निर्देशक मनोज वर्मा के कुशल निर्देशन में नवलकिशोर हरित ने भगवान शिव, राजेश सोनी ने पार्वती माता, शंभुदयाल गर्ग ने नंदी आदि ने अपने दमदार अभिनय से अपने किरदारों में जान डाल दी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर शिम्भु दयाल गर्ग, संजय गर्ग, दीपक हरित, मुकेश वालिया, संदीप शुक्ला, नरेन्द्र जैन, मोहित सोनी, विष्णु शर्मा, बलवान सैनी, तरूण सोनी, नरेश बादल, धनप्रकाश, राजेश चंवरिया, विनोद सर्राफ व चिराग सर्राफ आदि मौजूद

मंडी अटेली। रावण जन्म की लीला का मंचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रावण जन्म की लीला का हुआ मंचन

मंडी अटेली। अटेली मंडी के झंडा चौक श्री शिव रामलीला समिति की ओर से चल रही रामलीला के दूसरे दिन रावण जन्म लीला का मंचन हुआ। रावण का रोल पवन भारद्वाज व कुंभकर्ण का रोल मुकेश गर्ग तथा ऋषि मुनि का रोल सुरेश सागी ने किया। रामलीला मंचन में लंका में रावण, कुंभकर्ण, विभीषण का जन्म हुआ और इसके बाद तीनों भाइयों ने घोर तपस्या की। इस पर प्रसन्न होकर ब्रह्मा, विष्णु व महेश ने दर्शन दिए।

आदर्श रामलीला का 13 दिवसीय महोत्सव आरंभ

महेंद्रगढ़। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के सिद्धपीठ रंगमंच पर स्व. रामसिंह के आशीर्वाद गणेश वंदना से नारद मोह लीला का मंचन किया गया। लीला का शुभारंभ पूर्व सीपीएस राव दानसिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक समिति के पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र बैरावास व विशिष्ट अतिथि अरुण राव, चेयरमैन कृष्ण यादव, अधिवक्ता चंद्रप्रकाश, राजेश गुप्ता, जितेंद्र चोटीवाला, प्रवीण यादव, बबलू, जयप्रकाश शर्मा, डॉ. हनुमान सैनी, रविंद्र यादव, परमानंद गर्ग, भूपेंद्र गुप्ता, रमेश सैनी मिस्त्री, नितिन खोरीवाल, मास्टर बिजेंद्र, डीएसपी अशोक कुमार कोथल, मनीष पंसारी व वेदप्रकाश उर्फ बॉबी थे। इस अवसर पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दानसिंह ने 51 हजार रुपये व सुरेंद्र बैरावास ने 11 हजार रुपये रामलीला कमेटी को भेंट किए।

सैनीपुरा में किया नारद मोह की लीला का मंचन

महेंद्रगढ़। श्री हनुमान रामलीला कमेटी सैनीपुरा में आधुनिक मंच सज्जा, उत्कृष्ट गायन व अभिनय शैली का सुंदर मिश्रण किया गया। गौरतलब है कि वर्ष 2011 तक हनुमान रामलीला का मंचन इसी मैदान में किया गया था। अब 14 वर्षों के उपरांत पुनः रामलीला का मंचन सैनी सभा ग्राउंड में किया गया। रामलीला का मंचन का उत्साह देखते ही बन रहा था। सैनीपुरा मैदान में आयोजित लीला में शनिवार रात को श्री हनुमान रामलीला महोत्सव में नारद मोह की लीला का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रमुख समाजसेवी अमित भारद्वाज थे।

सोनिया बनी जेजेपी जिला प्रधान सुविधा को बनाया जिला प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान राजकुमार खातोद पार्टी को मजबूत करते हुए कार्यकारिणी का विस्तार किया है। पार्टी की महिला शाखा की मेहनती कार्यकर्ताओं की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, पूर्व विधायक श्रीमती नैना चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष ब्रिज शर्मा, युवा के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश प्रभारी डॉ. किरण पूनिया प्रदेश अध्यक्ष रजनी मलिक व जिला प्रभारी राकेश जाखड़ से विचार विमर्श कर सुविधा शास्त्री को जिले की महिला प्रभारी व सोनिया धनखड़ को जिला प्रधान को बनाया है। जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने बताया कि पूर्व विधायक नैना चौटाला द्वारा पूरे हरियाणा में हरी चुनरी चौपाल के सफल आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाली सुविधा शास्त्री व सोनिया धनखड़ को जिले की महिला मोर्चा की जिम्मेदारी दी है।

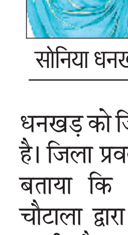

सोनिया धनखड़

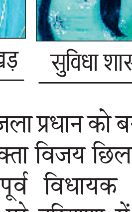

सुविधा शास्त्री

हरी चुनरी चौपाल का जल्द करेंगे आयोजन

इस मौके पर मीनू स्वामी, सुषमा सराय, मधु कटकई, नीलम चंडालिया, पूनम, प्रमिला, संतोष, सुशील यादव, दर्शन, सुमन, जयश्री, गीता, कमलेश, संतोष कटकई, सुमन, पिंकी डागर, सुष्मिता सहरावत, बसंती, नरेश देवी, अनीता, शर्मिला, सुमन कारिया आदि महिलाओं ने पार्टी हाईकमान का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम सभी महिलाएं मिलजुल कर पार्टी को और मजबूत करेंगे तथा जल्द ही जिला में हरी चुनरी चौपाल का आयोजन करेंगे, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक नैना चौटाला होंगी।

हरियाणा शहीदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा शहीदी दिवस के अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग की ओर से आरपीएस कॉलेज बलाना में भव्य व भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर शहीदों को नमन किया।

यह दिन विशेष रूप से शहीद राजा नाहर सिंह, शहीद राजा अनंतराव व शहीद राव तुलाराम जैसे हरियाणा के वीरों की याद में मनाया जाता है। जिन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी थी। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रांगण में दीप प्रज्ज्वलन व पौधारोपण के साथ हुआ। इसके पश्चात शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेयरपर्सन आरपीएस ग्रुप पवित्रा राव थी। जिन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि हरियाणा के वीर सपूतों ने देश की आजादी व अखंडता के लिए जो बलिदान दिए, उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। आज का युवा यदि उन मूल्यों को अपनाए तो देश व समाज की दिशा बदली जा सकती है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह ने कहा कि शहीदी दिवस केवल एक स्मरण का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण का अवसर है कि क्या हम उन मूल्यों पर चल रहे हैं, जिनके लिए हमारे शहीदों ने जान न्योछावर की।

विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जिंदल ने बताया कि आज के समय हम सभी युवा विद्यार्थी वर्ग मेक इन इंडिया थीम को बढ़ावा देकर और पर्यावरण के लिए अपनी भागीदारी दिखा कर भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दे सकते है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के बलिदान पर लघु नाटक का मंचन किया गया। इस मौके कॉलेज डीन डॉ. हेमंत कुमार एवं स्कूल स्टॉफ उपस्थित रहा।

विश्वविद्यालय में मोनिका प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से एमए इंग्लिश के द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के तीन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप 10 मेरिट सूची में अपना नाम दर्ज कराया। जिसमें एमए इंग्लिश द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मोनिका शेखावत पुत्री नरेश कुमारए सतनाली ने 8.80 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में ज्योति शर्मा पुत्री गिल्लूराम देवास ने 8.13 एसजीपीए लेकर विश्वविद्यालय में पांचवां व कॉलेज में द्वितीय तथा वैभवी पुत्री राजेश कुमार भिवानी ने 7.93 एसजीपीए लेकर विश्वविद्यालय में नौवां व कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा सपना यादव पुत्री महिपाल यादव मंडलाना व वर्षा पुत्री उमेद सिंह नांगल मोहनपुर ने 7.73 एसजीपीए, सुबोध पुत्री चांदसिंह कनीना ने 7.60 एसजीपीए प्राप्त किया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

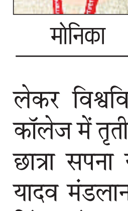

मोनिका

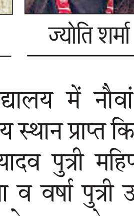

ज्योति शर्मा

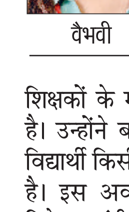

वैभवी

अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित

नारनौल। बैठक में भाग लेते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी कक्षा से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी व उनके अभिभावक शामिल हुए। बैठक में अभिभावकों ने अपने बच्चों की रिपोर्ट व पढ़ाई से संबंधित जानकारी ली। अभिभावक बच्चों के क्रियाकलापों को अध्यापकों के साथ साझा करते हुए नजर आए। अभिभावकों ने अपने बच्चों के प्रोग्रेस रिपोर्ट व अध्यापकों द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में भी अपने विचार रखे। विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करना है, ताकि वे सुयोग्य नागरिक बनकर देश के प्रति सेवा भाव समर्पित कर सकें। मौके पर एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इंदिरा गांधी विवि के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बुचौली रोड स्थित स्थानीय स्वामी ब्रह्मानंद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा ट्रस्ट में रविवार को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग विभाग के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान सभी विद्यार्थियों ने प्राकृतिक चिकित्सा एवं अन्य औषधि रहित चिकित्सा पद्धतियों को प्रायोगिक तौर पर जाना। प्राकृतिक चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. भंवर सिंह कसाना ने बताया कि उनके संस्थान में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी से योग विभाग के समस्त शिक्षकों के साथ 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्राकृतिक चिकित्सा की विभिन्न विधियां जैसे मिट्टी चिकित्सा, कटी स्नान, भाप स्नान, धूप स्नान, शिरोधारा, मसाज, सर्वांग मड स्नान, योगिक क्रियाओं में एनिमा, बस्ती, जलनेति, सूत्र नेति, कुंजर क्रिया आदि के साथ एक्यूप्रेशर, न्यरोथेरेपी, काइरो थेरेपी, फिजियोथैरेपी, आहार व योग चिकित्सा पद्धतियो का भी प्रायोगिक लाभ उठाया। आचार्य प्रवीण ने बताया कि नेचुरोपैथी योग का एक प्रमुख विषय है, जिसमें विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल की जानकारी भी दी जाती है। प्रैक्टिकल की विधियों को जानने के उद्देश्य ही इस भ्रमण का आयोजन किया गया। संयोजक डॉ. जयपाल सिंह ने बताया कि प्रातः विश्वविद्यालय के कुल सचिव ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. मंदीप ने बताया कि इस भ्रमण से विद्यार्थियों के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन देखने को मिलेगा।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

जन्मदिन पर गोवंश के लिए लगाई सवामणि

महेंद्रगढ़। गोवंश की सेवा ही सनातन धर्म की सच्ची प्रेरणा है। गाय की सेवा करने से प्रभु का भी आशीर्वाद मिलता है। यह विचार अपने पुत्र शिवांश तिवाड़ी के चौथे जन्मदिन के अवसर पर बेसहारा गोवंश उपचारशाला में गायों के लिए सवामणि लगाते हुए हास्य कलाकार विकास तिवाड़ी ने व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि भौतिकता के इस युग में हमें चकाचौंध से ऊपर उठकर माता-पिता के साथ गोमाता का भी आशीर्वाद लेना चाहिए। उन्होंने अपने पुत्र के जन्मदिन पर गोशाला में सवामणी लगाकर गोवंश का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर बेसहारा गोवंश उपचारशाला के संरक्षक सूरज, उनकी टीम, शिवांश तिवाड़ी के दादा सत्यनारायण तिवाड़ी, महावीर तिवाड़ी, दादी पुष्पा, उमा, माता पूर्वी, चाचा प्रवेश, चाची गीता, यतिन व रितिका आदि उपस्थित रहे।

बूढ़वाल में हुई वॉलीबाल प्रतियोगिता

पुलिस युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देकर खेलों से जोड़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव बूढ़वाल में वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। थाना नांगल चौधरी प्रबंधक निरीक्षक भगत सिंह ने कहा कि पुलिस युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देकर खेलों से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि गांव में खेल प्रतियोगिताएं करने का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान गांव के खेल मैदान में वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांवों की टीमों के बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता कराई गई। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने में वो पुलिस का पूरा सहयोग करेंगे।

गांव के मौजिज व्यक्तियों ने युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया और कहा कि पुलिस विभाग द्वारा युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने की अच्छी मुहिम चलाई गई है। युवा अपनी ऊर्जा पढ़ाई, खेलों में लगाएं और अपने गांव, अपने देश का नाम रोशन करें। युवा नशे और अपराध से दूर रहें, नशा न करें और न करने दें। थाना प्रबंधक ने कहा कि पुलिस विभाग का इस मुहिम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेलों, शिक्षा से जोड़ने और नशे से दूर रखने का प्रयास है। अगर गांव में किसी प्रकार का अवैध नशा, अवैध गतिविधि हो रही हो तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। इसके साथ ही मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 की भी जानकारी दी।

नारनौल। ग्रामीणों को नशे की लत के प्रति जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। व्याख्यान में मौजूद विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज में विशेष व्याख्यान

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए रणनीतिक करियर परामर्श विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव, निदेशक डॉ. महेश यादव, प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादयान, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव व अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार थे। डिग्री से इतर स्नातकोत्तरों के लिए रणनीतिक करियर परामर्श विशेष व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को उनकी शैक्षणिक डिग्री के बाद के करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईजीयू मीरपुर रेवाड़ी में उपकुलसचिव डॉ. नवीन पिपलानी थे। उन्होंने स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसरों व चुनौतियों पर गहन चर्चा की। डॉ. पिपलानी ने छात्रों को अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार सही करियर पथ चुनने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादयान ने इस आयोजन के लिए डॉ. नवीन पिपलानी व आईजीयू मीरपुर रेवाड़ी का आभार व्यक्त किया।

24 तक छुट्टियों के दिन भी संबंधित विभागों के अधिकारी करेंगे काम, बनाएंगे जरूरी दस्तावेज

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर एसीएस हेल्थ व एसीएस सेवा ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

डोमिसाइल के आवेदन भी उसी दिन निपटाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार आगामी 25 सितंबर से बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करके दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने जा रही है। इसी कार्यक्रम को लेकर सेवा विभाग की एसीएसजी अनुपम व स्वास्थ्य विभाग के एसीएस सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिला की ओर से सीईओ जिला परिषद उदय सिंह ने इस संबंध में की जा रही तैयारी के बारे में जानकारी दी। सीईओ ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा और सामाजिक भागीदारी प्रदान करके उनके समग्र कल्याण को सुनिश्चित करना है। ट्रायल आधार पर सेवा विभाग के सभी कर्मचारी लगातार फील्ड में जाकर फिलहाल इस योजना की लाभार्थियों का पंजीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पंजीकरण पूरी तरह से निशुल्क है। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार व जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा भी मौजूद थे।

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद जिला परिषद के सीईओ उदय सिंह।

ऐसे होगा पंजीकरण

पंजीकरण डीडीएलएलवाई मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसे गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड के लिए) व ऐप स्टोर (आईओएस के लिए) से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन के लिए आधार से जुड़ा एक सक्रिय मोबाइल नंबर और एक कार्यात्मक कैमरा वाला मोबाइल फोन आवश्यक होगा। ऐप में लॉग इन करने के लिए मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा।

पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज़ व जानकारी

- हरियाणा निवास प्रमाण पत्र
- आधार आईडी (स्वयं और सभी परिवार के सदस्यों की)
- यदि विवाहित हैं, तो ससुराल पक्ष के सभी सदस्यों की आधार आईडी
- बिजली कनेक्शन नंबर एचकेआरएन
- एचकेआरएन नंबर (यदि बेरोजगार हैं और एचकेआरएन में पंजीकृत हैं)
- आपके/परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाले सभी वाहनों का पंजीकरण नंबर
- स्वयं के नाम का एक सक्रिय बैंक खाता
- लाइव फोटो जो ऐप के माध्यम से लिया जाएगा

योजना के लिए ये शर्त जरूरी

इस योजना के तहत लाभ के लिए पात्र होने के लिए महिला की आयु 23 वर्ष या उससे अधिक हो। उसके परिवार की सत्यापित वार्षिक आय एक लाख से अधिक न हो। वह स्वयं या उसके पति (यदि वह दूसरे राज्य से हरियाणा में विवाहित हुई है) आवेदन के समय पिछले 15 वर्षों से हरियाणा के निवासी हों। एक परिवार में कितनी भी पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। हालांकि यदि कोई महिला पहले से ही कुछ सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर रही है तो वह इस योजना के लिए पात्र नहीं होगी।

हेल्प डेस्क से भी ले सकते हैं मदद

अगर किसी महिला के पास पंजीकरण के समय कुछ दस्तावेज़ नहीं हैं, तो वे मार्गदर्शन के लिए हेल्प डेस्क पर जा सकती हैं। ऐप में एक ऐसी सुविधा भी है जो ज़रूरी दस्तावेज़ या प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने हेतु संबंधित पोर्टल पर रिडायरेक्ट करेगी। आवेदन जमा करने के बाद आवेदक को एक पंजीकरण आईडी प्राप्त होगी, जो एसएमएस और वाटसऐप के माध्यम से उनके मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। आवेदकों को उनकी पात्रता की स्थिति के बारे में 15 दिनों के भीतर सूचित किया जाएगा।

थार की टक्कर से मजदूर की मौत

नारनौल। जलमहल के समीप नांगल चौधरी मोड पर हुए सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार गांव धौलेड़ा निवासी 65 वर्षीय गेपर नामक व्यक्ति गांव में मजदूरी करता था। शनिवार देर शाम वह किसी काम से गांव धौलेड़ा से बाइक पर सवार होकर नारनौल आ रहा था। तभी स्टेट हाईवे नंबर 148–बी पर जल महल की ओर मुड़ा तो एक तेज रफ्तार थार गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मृतक मजदूरी करता था और उसके दो लड़के हैं, जो ईंट भट्ठे पर काम करते हैं। पुलिस ने उसके मृतक के बेटे अर्जुन के बयान पर केस दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

आज शव यात्रा निकाल प्रदर्शन करेंगे वकील

नारनौल। बार प्रधान एडवोकेट संतोख सिंह ने बताया कि जिला बार एसोसिएशन द्वारा पुलिस प्रशासन की मनमानी व गैर-जिम्मेदाराना रवैये के खिलाफ 22 सितंबर को एक विरोध प्रदर्शन एवं शवयात्रा निकाली जाएगी। सभी अधिवक्ता साथी प्रातः 11 बजे बार रूम में एकत्रित होंगे और वहां से शव यात्रा के रूप में प्रदर्शन किया जाएगा।

लापता व्यक्ति की बाइक जली मिलने से सनसनी

नारनौल। शहर में रह रहे एक व्यक्ति के लापता होने उपरांत बाइक जली हुई अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। ढाणी किरोराद की रहने वाली किरण नामक महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि उसके पति का नाम सुनील कुमार है। वह अपने पति के साथ हुडा सेक्टर एक में रहती है। उसका पति शराबी किस्म का है तथा उससे मारपीट भी करता रहता है। बीते रोज वह उसके साथ लड़ाई-झगड़ा करके कहीं चला गया। उन्होंने बताया कि लापता व्यक्ति की बाइक हुडा सेक्टर एक में ही एक रोड के पास जली हुई मिली है। टॉपी भी वहीं पड़ी हुई मिली है।

नागरिक अस्पताल की छत पर मिला शव

नारनौल। नागरिक अस्पताल की छत पर रविवार को एक बुजुर्ग का शव मिला है। मृतक की पहचान सिलारपुर मेहता गांव के बुजुर्ग के रूप में हुई है। बुजुर्ग के शव को कुत्तों या अन्य जानवरों द्वारा नोचा भी हुआ है। नागरिक अस्पताल के सर्जिकल वार्ड की छत पर अस्पताल के कर्मियों ने एक शव को देखा। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना सीएमओ को दी। सीएमओ ने इसकी जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। शव को जानवरों ने नोचा हुआ था। शव मिलने के बाद पुलिस ने शव की शिनाख्त की। लोगों ने बताया कि उक्त व्यक्ति शराब का आदी था। उसकी पहचान गांव सिलारपुर महता निवासी 55 वर्षीय नित्यानंद के रूप में हुई है।

सरकार ने भावांतर भरपाई योजना में किया शामिल

बाजरे की सरकारी खरीद में बन रही असमंजस की स्थिति

अब तक सरकार ने खरीद के लिए तय नहीं की मंडियों, खरीद एजेंसियां, बारदाना, उठान एवं लदान के लिए नहीं हो रहे टेंडर

राजकुमार ▶▶| नारनौल

मौजूदा खरीफ सीजन में बाजरा की सरकारी खरीद आगामी एक अक्टूबर से शुरू होनी है और खरीद के लिए संबंधित उच्च अधिकारी मार्केट कमेटी सचिवों को पत्र भेजकर खरीद संबंधी निर्देश भी चुके हैं और उपायुक्त स्तर पर मीटिंगें एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग भी हो चुकी हैं, लेकिन कमाल की बात है कि सरकार ने अब तक न तो खरीद एजेंसियां नियुक्त की हैं और न ही भावांतर भरपाई की राशि घोषित की है कि वह प्रति क्विंटल की दर से कितना पैसा किसानों के खातों में डालेगी।

न ही अब तक खरीद के लिए एजेंसियां तय की गई हैं, जबकि उठान, लदान एवं माल ढुलाई के टेंडर तथा भंडारण के लिए व्यस्था करना भी शेष है। इस स्थिति को लेकर असंमजस की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि हरियाणा सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रधान सचिव आईएएस डा. डी. सुरेश ने गत दिनों खरीफ सीजन की फसल खरीद संबंधी पत्र जारी किया था, जिसमें आगामी एक अक्टूबर से बाजरा खरीद शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा अनाज मंडी में खरीदे गए अनाज का समय पर उठान सुनिश्चित करवाने, साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सहित दूसरी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि फसल खरीद के दौरान दिक्कतों का सामना न करना पड़े। मार्केट कमेटी की ओर से पत्र मिलने के बाद खरीद संबंधी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके बाद से मार्केट कमेटी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाजरा खरीद की तैयारियां शुरू कर दी थी। मंडियों में साफ–सफाई, पीने के पानी, शौचालय एवं लाइट से लेकर गेट पास काटने आदि पर फोकस किया गया, लेकिन अब इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर कोई हलचल होती नजर नहीं आ रही। यह स्थिति तब बनी है, जब 16 सितंबर को हरियाणा सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले की ओर से एक और पत्र जारी किया गया। यह पत्र भावांतर भरपाई के तहत किसानों को बाजरे के पैसे दिए जाने के संदर्भ में था। पत्र में लिखा है कि इस बार भी खरीफ मार्केटिंग सीजन 2023–24 की भांति ही किसानों को बाजरा का पैसा भावांतर भरपाई योजना के तहत दिया जाएगा।

नारनौल। अनाज मंडी में बिक्री के लिए पहुंचा बाजरा। फोटो : हरिभूमि

खरीद एजेंसी तय नहीं

एक अक्टूबर बेशक से नजदीक आता जा रहा है, लेकिन सरकार की तरफ से अब तक न तो बाजरा खरीद के लिए मंडियां निर्धारित की गई हैं और न ही भावांतर भरपाई योजना के तहत किसानों को कितना पैसा प्रति क्विंटल की दर से मिलेगा, यह स्पष्ट किया गया है। कमाल की बात है कि एक अक्टूबर नजदीक आने के बावजूद सरकार ने बाजरा खरीद के लिए एजेंसियों को भी नियुक्त नहीं किया है। जबकि एजेंसियां नियुक्त होने के बाद बाजरा खरीद के लिए बारदाना, लदान एवं उठान तथा भंडारण के लिए जगह भी व्यवस्था की जाती है, लेकिन अब यह कार्य सुस्ती गति पकड़ चुका है। ऐसे में आशंका है कि बाजरे की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद होगी या नहीं।

भावांतर भरपाई योजना का मिलेगा लाभ

मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान पंजीकृत किसानों को भावांतर भरपाई योजना का लाभ मिलेगा। अधिक बारिश के कारण बाजरा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है और बाजरा के बदरंग होने की आशंका है, जिसके चलते फसल एमएसपी 2775 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से नहीं बिक सकेगी, जिसकी भरपाई के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को इसका लाभ मिल सकेगा, लेकिन अभी ये स्पष्ट नहीं है कि भावांतर भरपाई योजना के तहत प्रति क्विंटल कितना पैसा मिलेगा। बाजार में इस समय बाजरा 2100–2200 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है।

अनाज को सुखाकर लाएं

मार्केट कमेटी सचिव नुकुल यादव ने बताया कि एक अक्टूबर से बाजरा खरीद शुरू करने के निर्देश मिले हुए हैं। उसी के तहत तैयारियां की जा रही हैं। बाजरा खरीद के लिए उनकी तैयारियां लगभग पूरी हैं। बाजरा में 13 प्रतिशत तक ही नमी मान्य है। इसलिए किसान अपनी फसल को सुखाकर लाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

यह थी 2023-24 की पॉलिसी

वर्ष 2023-24 के खरीफ सीजन में हरियाणा सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के तहत बाजरे के किसानों को बाजार मूल्य और न्यूनतम समर्थन मूल्यके अंतर के बराबर लाभ दिया था, जो प्रति क्विंटल 600 रुपये तक का भुगतान था। इससे किसानों को बाजरा बेचने पर कम कीमत मिलने की स्थिति में हुए नुकसान की भरपाई की गई थी।

व्यापारियों ने सैनी सभा प्रधान रमेश को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। प्रधान सुरेश सैनी का सम्मान करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आईटीआई रोड के व्यापारियों ने समाजसेवी सुरेश सैनी को सैनी सभा का प्रधान बनने पर फूल मालाओं व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान व्यापारियों ने सुरेश सैनी की मिलनसार और ऊर्जावान व्यक्तित्व की प्रशंसा की तथा उम्मीद जताई कि वे समाज के लिए अच्छे कार्य करेंगे। व्यापारियों ने सुरेश सैनी के नेतृत्व में समाज की प्रगति की कामना की और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में समाज का विकास होगा। इस सम्मान समारोह में उपस्थित व्यापारियों ने सुरेश सैनी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सुरेश सैनी ने व्यापारियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे समाज के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे तथा समाज के विकास के लिए काम करेंगे। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य वीरेंद्र सेन पालड़ी, हलवाई माडूराम सैनी, बलवीर सिंह यादव, हनुमान यादव, सतीश कुमार, मदन, अशोक, सुखीचंद, वेदप्रकाश व अन्य मौजूद रहे।

शिविर में हुई 165 मरीजों की जांच

- शिविर में बीपी, ब्लड शुगर, ईसीजी नि:शुल्क के साथ-साथ नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अग्रवाल सभा की ओर से आयोजित दो दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत संवेदना हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श व जांच शिविर आयोजित किया गया। जयंती प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग ने बताया कि शिविर में 165 मरीजों स्वास्थ्य की जांच हुई, जिसमें मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र मित्तल, डॉ. राहुल सिंगला, डॉ. मनोज यादव, डॉ. मेघा मित्तल, डॉ. अचल मित्तल, डॉ. विशाल, डॉ. दिव्या यादव ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में बीपी, ब्लड शुगर, ईसीजी निःशुल्क के साथ-साथ निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। शिविर में सैकड़ों लोग पहुंचे।

नारनौल। चिकित्सकों को सम्मानित करते सभा के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

ये पदाधिकारी रहे मौजूद

सभा के प्रधान एडवोकेट प्रेमचंद गुप्ता, जयंती संयोजक रामजीलाल मित्तल, शोभायात्रा संयोजक अरुण गुप्ता नूनीवाला, डॉ. सुरेंद्र मित्तल, महामंत्री रवि गर्ग, मोनू भाटा, मंत्री कृष्ण कंछल, कोषाध्यक्ष सीए प्रवीण बंसल, उपप्रधान सूरज अग्रवाल, संयोजक रामजीलाल मित्तल, सहसंयोजक हीरालाल मित्तल, विकास अग्रवाल, सचिन गोयल, रमेश जिंदल, शोभा यात्रा सहसंयोजक महेश गोयल, भंडारा संयोजक नवीन बंसल, प्रमोद टीका, विपिन अग्रवाल, जयंती प्रवक्ता बद्री प्रसाद, अग्रवाल सभा के पूर्व प्रधान सत्यनारायण गुप्ता, सुरेशचंद चौधरी, बजरंग लाल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, कॉलेजियम मेंबर अनिल अग्रवाल, महावीर जैन, राकेश बंसल, एडवोकेट अनिल गुप्ता, मुकेश चौधरी, महेंद्र, रवि बंसल, संदीप नूनीवाला, नितिन बंसल, महिला संयोजक गीता गोयल, सहसंयोजक सुशील गोयल, सारिका गर्ग, संजय गोयल, संजय गर्ग आदि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालयों में लागू करें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अन्य स्कीमें

- विज्ञान विषयों के छात्रों को स्नातकोत्तर स्तर पर हो रही कठिनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को जिले के सभी राजकीय महाविद्यालयों में लागू कर दिया गया है, लेकिन अभी तक केवल स्कीम-ए को ही अपनाया गया है। परिणामस्वरूप विज्ञान विषयों में स्नातक करने वाले छात्र अब पहले की तुलना में केवल एक-तिहाई पाठ्यक्रम ही पूरा कर पा रहे हैं। उक्त बातें राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर के गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन यादव ने कही। उनका कहना है कियह स्थिति भविष्य में स्नातकोत्तर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उनके लिए बाधा बनेगी। नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा देना, आलोचनात्मक सोच विकसित करना और 21वीं सदी के कौशलों से लैस करना है। लेकिन स्कीम-ए मुख्यतः बहु-विषयक जानकारी उपलब्ध कराती है, जिससे विद्यार्थी किसी भी विषय की गहराई से पढ़ाई नहीं कर पा रहे।

पाठ्यक्रम में भारी कटौती:

डॉ. नवीन ने बताया कि गणित विषय के उदाहरण से समझें तो पहले छात्र प्रति सेमेस्टर तीन पुस्तकें पढ़ते थे, अब केवल एक पुस्तक ही पढ़ रहे हैं। यानी छह सेमेस्टर में पहले 18 पुस्तकें पढ़ाई जाती थीं, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ छह रह गई हैं। यही स्थिति रसायन विज्ञान और भौतिकी जैसे विषयों में भी है। छात्रों को अब केवल एक-तिहाई पाठ्यक्रम ही पढ़ने को मिल रहा है। उनका कहना है कि स्नातकोत्तर या शोध कार्य में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए केवल स्कीम-ए पर्याप्त नहीं है।

शहर के विभिन्न मंदिरों को रंग-बिरेंगी लाइटों से सजाया

शारदीय नवरात्र का प्रारंभ, बाजारों में फिर लौटी रौनक

नवरात्र में पूजा के लिए सामान खरीदने वालों की उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सोमवार से शुरू हो रहे नवरात्र के लिए बाजार व मंदिर सज गए हैं। माता की आराधना के लिए लोगों को बुधवार शाम खरीददारी करते देखा गया। वहीं, मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष बंदोबस्त किए गए हैं।

नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इसी के चलते आज से ही मंदिरों में विशेष अनुष्ठान शुरू हो गए। शहर और ग्रामीण इलाकों में भक्तों ने अपने घरों में कलश स्थापना कर अखंड ज्योत जलाई। गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर, सब्जी मंडी रोड स्थित मां दुर्गा मंदिर, खुडाना का माता चिलायु मंदिर सहित कई प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर प्रबंधन समितियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई, सुरक्षा और प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की है। जगह-जगह भजन-कीर्तन और जगरातों का आयोजन भी किया जाएगा। आने वाले दिनों में भक्तों की भीड़ ओर बढ़ने की संभावना है।

बाजारों में लौटी चहल-पहलः

नवरात्रि शुरू होते ही शहर के बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल देखने को मिली। दुकानदारों ने पूजन सामग्री, चुनरी, कलश, नारियल, दीपक तथा व्रत का आहार बेचने के लिए विशेष स्टॉल लगाए। सुबह से ही श्रद्धालु खरीददारी करते नजर आए।

महेंद्रगढ़। बाजार में खरीददारी करता ग्राहक। फोटो : हरिभूमि

महंगाई के बीच श्रद्धालुओं का भारी उत्साह

हालांकि महंगाई का असर इस बार भी दिखा। पूजा की थालियां, फल और व्रत के सामान की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इसके बावजूद श्रद्धालु उत्साहपूर्वक खरीदारी कर रहे हैं। कई परिवार व्रत का पूरा सामान एक साथ खरीदकर घर ले गए ताकि नौ दिनों की तैयारी पूरी हो सके। दुकानदों का कहना है कि इस बार सेब और अनार जैसे फलों के दामों में 20 से 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, फिर भी लोग बिना झिझक खरीदारी कर रहे हैं।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

नवरात्र के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त को ध्यान में रहते हुए। कलश घट स्थापना की जाती है और जौ बोए जाते हैं, जो सुख समृद्धि का प्रतीक माने गए हैं। शुभ मुहूर्त सुबह 6:15 से सुबह 7:30 बजे तक रहेगा। सुबह 9:16 से सुबह 10:30 बजे तक। इसके बाद अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:54 से दोपहर 12:42 बजे रहेगा। उन्होंने बताया कि कलश स्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त अनुसार ही करनी चाहिए, क्योंकि शुभ मुहूर्त में किया कार्य पूजा अनुष्ठान हमेशा ही सफल होता है।

सांस्कृतिक रंग में रंगा शहर

नवरात्रि को लेकर शहर से लेकर गांव का माहौल पूरी तरह धार्मिक और सांस्कृतिक हो गया है। मंदिरों व घर में बनाए गए पूजा घर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सड़कों व बाजारों में भी विशेष चहल-पहल देखने को मिल रही है। कई जगह स्थानीय कलाकारों और धार्मिक मंडलियों की ओर से जगराते की तैयारियां की जा रही हैं। नौ दिनों तक शहर में भक्तिमय ध्वनियां गूंजती रहेंगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि नवरात्र का समय उनके लिए विशेष महत्व रखता है। यह सिर्फ धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि परिवार व समाज को जोड़ने वाला अवसर भी है। लोग नौ दिनों तक व्रत रखते हैं तथा मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। कई परिवार हर शाम घरों और मंदिरों में भजन-कीर्तन व माता की आरती का आयोजन भी करते हैं।

डीएपी के वितरण में धांधली का आरोप, किसान परेशान

- किसानों का आरोप है कि समिति कर्मचारी खाद की सप्लाई में पारदर्शिता नहीं बरत रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

खण्ड अटेली की सहकारी समिति में डीएपी खाद के वितरण को लेकर मारामारी देखने को मिली। खाद लेने पहुंचे किसानों ने समिति कर्मियों और पुलिस पर ही धांधली करने के आरोप लगाए। उनका कहना था कि वे पिछले दो दिनों से लगातार खाद लेने के लिए लाइन में लग रहे हैं, लेकिन उन्हें खाद उपलब्ध नहीं कराया जा रहा।

ये बोले किसान

किसानों का आरोप है कि समिति कर्मचारी खाद की सप्लाई में पारदर्शिता नहीं बरत रहे। कुछ किसानों ने तो यह तक कहा कि खाद खुलेआम बाजार में महंगे दामों पर बेची जा रही है जबकि जरूरतमंद किसान दर-दर भटक रहे हैं। वहीं समिति कर्मचारियों ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि खाद वितरण पूरी तरह से कृषि विभाग द्वारा निर्धारित कूपन प्रणाली के तहत किया जा रहा है। उनके अनुसार, जिन किसानों को कृषि विभाग की ओर से कूपन जारी किए गए हैं, उन्हीं को खाद दिया जा रहा है। समिति का इसमें कोई स्वेच्छा से निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन ने खाद वितरण के लिए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया। पुलिस की मौजूदगी में किसानों को लाइन में लगवाकर खाद बांटने का प्रयास किया गया, लेकिन किसानों का कहना था कि पुलिस भी खाद वितरण में धांधली करवा रही है और मनमाने ढंग से किसानों को खाद उपलब्ध कराया जा रहा है।